

आज

बेबाक

कश्मीर को अपने बाप की जागीर समझने वाले फारूख अब्दुल्ल और महबूबा मुफ्ती ने 25 हजार करोड़ की जमीन की बंदर बांट कर दी थी। अब रोशनी एक घोटाला सामने आया है तो इन भूमाफियाओं के चेहरों पर हवाईयां उड़ रही हैं। अब समझ में आया कि इस गुल्फार गैंग ने कश्मीर में 370 की बहाली के लिए एड़ी चौटी का जोर क्यों लगा रखा है? दरअसल वे गुपचुप रूप से किए गए हजारों करोड़ रुपए के जमीन घोटाले को जमींदोज करने के ख्वाहिश मंद हैं। इन सभी घोटालेबाज देशद्रोहियों के खिलाफ जल्द से जल्द और कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

खास- खबर

एडिटर्स गिल्ड ने प्रेस की आजादी के लिए कानूनी सलाहकारों की समिति बनाई

नई दिल्ली। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने देश में प्रेस की आजादी को सुरक्षित बनाये रखने के लिए जाने-माने कानूनविदों की सात सदस्यीय सलाहकार समिति का गठन किया है। गिल्ड द्वारा बुधवार को यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार देश में मीडिया पर अंकुश की घटनाओं को देखते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बचाए रखने के लिए इस समिति का गठन किया गया है जिसमें वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं जाने-माने अधिवक्ता कपिल सिब्बल, श्याम दीवान, राजीव नायर, मेनका गुरुस्वामी, प्रशांत कुमार तथा सुश्री शाहरुख आलम जैसे लोग शामिल हैं। गिल्ड की प्रमुख सीमा मुस्तफा द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रेस की आजादी को रोकने के महंनजर मीडिया इन सलाहकारों से कानूनी विचार विमर्श कर संके।

एलन मस्क दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बने

वाशिंगटन । टेस्ला प्रमुख और अरबपति एलन मस्क माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स को पछाड़कर दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। टेस्ला के शेयरों में भारी उछाल आने के कारण एलन मस्क की कुल संपत्ति 7.2 अरब डॉलर बढ़कर 127.9 अरब डॉलर हो गई है। एलन मस्क की संपत्ति में इस वर्ष करीब 110.3 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के अनुसार इस वर्ष जनवरी में दुनिया के अमीर व्यक्तियों की सूची में वह 35वें स्थान पर थे।

लेकिन अब वह दूसरे नंबर

शेयर बाजार

संसेक्स- 43828.10

निफ्टी- 12858.40

गोल्ड-48849 (10 ग्र.)

सिल्वर-60347 (1 कि.ग्र.)

अनुमान

बंद नाक व पूरे दांत वालों से संक्रमण ज्यादा फैलने की आशंका

फ्लोरिडा/नवप्रदेश। ये तो हम सभी जानते हैं कि कोरोना वायरस का संक्रमण एक व्यक्ति से कई लोगों में फैलता है। लेकिन कुछ लोगों के कारण ये दूसरों में काफी तेज से फैलता है। इन्हें सुपर स्प्रेडर कहा जाता है। ऐसे लोग आपके आसपास भी होते है। इसलिए सोशल डिस्टेंसिंड का पालन जरूरी है।

कैथ्यूटर मॉडल की सहायता से विभिन्न लोगों की विभिन्न प्रकार की छीकने की आदत का अध्ययन करके कोरोना वायरस को तेजी से फैला सकने में सक्षम कुछ लोगों को निश्चित किया गया है। इस अध्ययन से कोरोना वायरस

नहीं रहे कांग्रेस के चाणक्य अहमद पटेल

नई दिल्ली/भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सांसद तथा पार्टी के आधुनिक चाणक्य कहे जाने वाले अहमद पटेल का बुधवार सुबह निधन हो गया। एक महीने पहले ही अहमद पटेल कोरोना की चपेट में आए थे, जिसके बाद उनकी तबीयत लगातार खराब चल रही थी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार अहमद पटेल के बेटे फैजल पटेल ने जानकारी दी कि बुधवार सुबह करीब 3.30 बजे अहमद पटेल का निधन हो गया। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे गुजरात के भरुच स्थित उनके पैतृक गांव



जन्म: 21-8-1949, मृत्यु: 25-11-2020

पीरामन में ही उन्हें सुपुर्द ए खाक किया जाएगा। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद,

राष्ट्रपति कोविंद, उपराष्ट्रपति नायडू, पीएम मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सीएम भूपेश बघेल, समेत विभिन्न दलों के नेताओं ने जताया शोक

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शेष पृष्ठ 7 पर

पटेल के रूप में मैंने अपना एक ऐसा सहयोगी खो दिया है जिसका जीवन कांग्रेस को समर्पित रहा है। मैंने एक ऐसा निष्ठावान सहयोगी और मित्र खो दिया है जिसका विकल्प संभव नहीं है। मैं उनके निधन से सदन में हूँ और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूँ।

-सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री अहमद पटेल के निधन का दुःखद समाचार मिला है। ईश्वर दिवागत आत्मा को शांति दें और उनके परिजनों को इस वज्रपात को सहने की क्षमता दें, मैं यही प्रार्थना करता हूँ।

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री मप्र

महंत, रमन, बोरा ने भी दी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. धरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री तथा भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता तथा पार्टी के कोषाध्यक्ष मोतीलाल बोरा ने द्वाीट कर अहमद पटेल के निधन पर गहसा दुःख व्यक्त किया है। डा. महंत ने कहा कि अहमद पटेल के शेष पृष्ठ 7 पर

अहमद पटेल न केवल दश सांसद थे, बल्कि उनमें कुशल रणनीतिकार का कौशल और जननेता का जादू भी समाहित था। अपने नैत्री भाव के कारण पार्टी के बाहर भी उन्हेंने दोस्त बनाए थे। उनके परिजनों और दोस्तों को मेरी संवेदनाएं। -रामनाथ कोविंद, राष्ट्रपति

पटेल जी के निधन का समाचार पाकर सत्त्व हूं। वरिष्ठ सांसद पटेल अपने संसदीय अनुभव, सद्भाव और सौहार्दपूर्ण सम्बन्धों के लिए जाने जाते थे। ईश्वर दिवागत पुण्यात्मा को शांति तथा उनके परिजनों को धैर्य प्रदान करें। -एम वेंकैया नायडू, उपराष्ट्रपति

अहमद पटेल जी के निधन से दुखी हूं। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में लंबे समय तक समाज की सेवा की। अपनी तीक्ष्ण बुद्धि के लिए जाने जाने वाले पटेल का कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में योगदान हमेशा याद किया जाएगा। भगवान से प्रार्थना है की अहमद भाई की आत्मा को शांति प्रदान करें। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र ने जारी की नई गाइडलाइन

कोरोना पर केंद्र की सख्ती, राज्यों को नहीं लॉकडाउन का अधिकार

राज्यों को नाइट कर्फ्यू लगाने की छूट, कंटेनमेंट जोन को छोड़ लॉकडाउन के लिए लेनी होगी केंद्र की अनुमति, हु नए निर्देशों को करना होगा सख्ती से लागू

नई दिल्ली/ए.। केंद्रीय गृहमंत्रालय ने देश के विभिन्न हिस्सों में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेत हुए राज्यों के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। इसके मुताबिक राज्यों को नाइट कर्फ्यू लगाने की छूट दी गई है, लेकिन लॉकडाउन के लिए केंद्र की मंजूरी अनिवार्य होगी। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित दिशानिर्देशों और एहतियाती उपायों तथा मानक संचालन प्रक्रियाओं, एसओपी, को सख्ती से लागू करने को कहा है। मंत्रालय ने बुधवार को एक आदेश जारी कर संक्रमण पर अंकुश लगाने के लिए निगरानी, उपाय



ये लापरवाही पड़री भारी...

चित्र रायपुर के शीतला मार्केट का है, जहां सूखी विक्रेता मास्क लगाए बिना ही बैठे हैं। इस तरह की लापरवाही से ही कोरोना संक्रमण बढ़ता है।

1 दिसंबर से 31 दिसंबर तक लागू रहेंग दिशा निर्देश

इस बार सरकार का ज्यादा फोकस भीड़ को नियंत्रित करने का है। सरकार के यह दिशा-निर्देश 1 दिसंबर से प्रभावी होंगे और 31 दिसंबर तक लागू रहेंगे। गृह मंत्रालय ने कहा कि दिशा-निर्देशों का मुख्य फोकस कोविड -19 के प्रसार के खिलाफ लड़ित किए गए कंट्रोल को बनाए रखना है, जो देश में सक्रिय मामलों की संख्या में लगातार गिरावट से दिखाई दे रहा है।

भीड़भाड़ वाले इलाकों पर फोकस

भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी विशेष एहतियात बरतने को कहा गया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा गया है कि वे त्योहारों और सर्दी के मौसम को देखते हुए विशेष सावधानी बरते तथा जिला, स्थानीय प्रशासन, नगर निगम और पुलिस को गृह मंत्रालय तथा केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशानिर्देशों और मानक संचालन प्रक्रिया को लागू करने के प्रति जवाबदेह बनाए। साथ ही अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है। दिशानिर्देशों में राज्य सरकारों से सामाजिक और धार्मिक समारोह में शामिल होने वाले लोगों को संख्या सौ तक सीमित रखने और जरूरत पड़ने पर इससे भी कम करने को कहा गया है।

और सतर्कता से संबंधित दिशा 1 दिसंबर से लागू होंगे। केंद्र के निर्देश भी जारी किए जो आगामी शेष पृष्ठ 7 पर

कंटेनमेंट जोन में होगी सख्ती

दिशा निर्देशों में इस बात पर जोर दिया गया है कि कोरोना के खिलाफ अभियान में अब तक देश ने जो सफलता हासिल की है उसे बरकरार रखते हुए इसे और मजबूत बनाने के लिए कदम उठाए जाएं। इनमें कहा गया है कि कंटेनमेंट जोन में सभी दिशानिर्देशों को पूरी तरह से लागू किया जाए और वहां केवल अनिवार्य सेवाओं की गतिविधि की ही अनुमति दी जानी चाहिए।

डीबीएस बैंक में लक्ष्मी विलास बैंक का होगा विलय

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने लक्ष्मी विलास बैंक लिमिटेड (एलवीबी) के डीबीएस बैंक इंडिया लिमिटेड (डीबीआईएल) में विलय की योजना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि दोनों बैंकों के विलय की यह योजना जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा और वित्तीय एवं बैंकिंग स्थिरता के हित में, बैंकिंग विनियमन कानून, 1949 की धारा 45 के तहत आरबीआई के आवेदन पर बनाई गई है। रिजर्व बैंक ने सरकार की सलाह से जमाकर्ताओं के हित की रक्षा के लिए 17 नवंबर को एलवीबी पर 30 दिन की अवधि के लिए मोरेटोरियम लगा दिया था और उसके निदेशक मंडल के ऊपर एक प्रशासक की नियुक्ति कर दी थी। जनता और हितधारकों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित करने के बाद, रिजर्व बैंक ने विलय की यह योजना तैयार की और उसे सरकार की मंजूरी के लिए पेश किया था। यह कार्य मोरेटोरियम की अवधि के समाप्त होने से काफी पहले कर लिया गया शेष पृष्ठ 7 पर

गृहमंत्री का ऐलान-

मध्यप्रदेश में लव जिहाद के दोषियों को 5 नहीं, 10 साल की जेल होगी

उमरिया में बोले शिवराज - मध्यप्रदेश में किसी भी कीमत में लव जिहाद चलने नहीं दिया जाएगा

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। लव जिहाद के खिलाफ प्रस्तावित बिल का ड्राफ्ट तैयार करने की कवायद तेज हो गई है। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मंत्रालय में अफसरों के साथ बैठक की और कानून को सख्त करने की जानकारी दी। आज शाम मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी इसी मुद्दे पर बैठक लेने जा रहे हैं। इसमें गृहमंत्री समेत तमाम उच्चाधिकारी शामिल होंगे। इसमें ड्राफ्ट को



फाइनल किया जा सकता है। कहा जा रहा है कि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तेजी से यह कानून बनाया है, उसी की राह पर शिवराज सिंह चौहान सरकार भी आगे बढ़ रही है। इससे पहले सुबह हुई बैठक के शेष पृष्ठ 7 पर

जिनके सभी दांत सुक्षित व नाक बंद तो दूर तक जाती है छीक

इसके मुताबिक बंद नाक तथा सभी दांतों वाले व्यक्ति से कोरोना वायरस अधिक फैल सकता है। क्योंकि शोध के मुताबिक ऐसे लोगों की छीक काफी दूर तक जाती है। इस अध्ययन रिपोर्ट के सहलेखक यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल फ्लोरिडा मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के मायकल किंजेल ने कहा कि यह जानकारी सुपर स्प्रेडर की पहचान करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। जिससे सुपर स्प्रेडिंग को रोका जा सकता है। छीक क्यों व कैसे दूर तक जाती है इसको लेकर यह पहला अध्ययन है।

ऐसे समझें बंद नाक व सभी दांतों से संक्रमण के खतरे को

अध्ययन में यह पता चला कि नाक बंद रहने पर छीक की गति बढ़ जाती है और छीक की बूँदें अधिक दूर तक जाती हैं। नाक बंद रहने पर छीक मुंह से बाहर आती है। जिसके कारण उसका वेग तथा अंतर अधिक होता है। नाक खुला हो तो छीक का मार्ग विकृत हो जाता है। जिससे वेग कम हो जाता है। दांतों का प्रभाव छीक की गति पर पड़ता है। अधिक दांत यानी मर्यादित मार्ग। ये पानी के नल जैसा है। नल थोड़ा खोलने पर पानी अधिक फोर्स से बाहर आता है। वैसे ही कम जगह हो तो छीक अधिक तेजी से बाहर आती है और दूर तक जाती है।

जिनके दांत कम उनसे ज्यादा नहीं खतरा

वहीं जिनके दांत कम है या नहीं है उनकी छीक दूर तक नहीं जाती है। जबकि बंद नाक व सुरक्षित दांतों वालों के मामले में छीक गति व दूरी 60 फीसदी तक बढ़ जाती है। नाक का द्रव्य पतला हो तो द्रवरूप कणों का आकार छोटा होता है और ये हवा में अधिक समय तक तैरते हैं। मध्यम तथा लोस स्वरूप के द्रव्य हो तो यह जमीन पर गिरता है, जिससे संक्रमण का खतरा कम रहता है।



संपादकीय

लालू को जेल से सियासी खेल

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव जो चारा घोटाले में सजायापता है इन दिनों झारखण्ड की राजधानी रांची की जेल में सजा काट रहे हैं। उनकी सजा का दो साल से ज्यादा का समय बीत चुका है लेकिन एक दिन के लिए भी वो जेल में नहीं गए। सजा होते ही वे अस्पताल में भर्ती हो गए और रांची स्थित रिम्स के प्रायवेट वार्ड में अपनी तिमारदारी कराते रहे। इस बीच झारखण्ड में सीबू सोरेन की सरकार बन गई जिसे राष्ट्रीय जनता दल ने समर्थन दिया हुआ है। इसलिए लालू यादव को वीआईपी ट्रिटमेंट मिलना शुरू हो गया और वे पिछले दो माह से रिम्स के निदेशक के आलीशान सरकारी बंगले में सजा के नाम पर मजा उड़ा रहे है जबकि रिम्स के निदेशक गेस्ट हाउस में पड़े हुए है। सीबू सोरेन की सरकार की मेहरबानी के कारण जेल मेन्यूवल की धजियां उड़ रही है और चारा चोर लालू यादव को सरकारी बंगले में सभी तरह की सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। इस तरह लालू यादव तथा कथिते जेल में रहते हुए भी रियासी खेल खेल रहे है। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने अपने बंगले नुमा जेल को सियासी अखड़ा बना रखा था और राजनीतिक दांव पेंच खेलते रहे हैं। अब चूँकि बिहार में उनकी पार्टी बहुमत से दूर रह गई और उनके पुत्र तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री नहीं बन पाए तो लालू यादव अब बिहार सरकार को गिराने का षडयंत्र कर रहे हैं। भाजपा ने लालू यादव पर आरोप लगाया है कि उन्होंने जेल से भाजपा विधायक ललन पासवान को फोन कर के मंत्री पद का लालच दिया और कल होने वाले विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव में राजद प्रत्याशी को समर्थन देने के लिए कहा। जब ललन पासवान ने पार्टी का हवाला दिया तो लालू यादव ने उनसे कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव के दौरान वे सदन से अनुपस्थित रहे और कोरोना होने का बहाना कर के कहीं चले जाएं। उनकी पार्टी का स्वीकार बन जाने के बाद बिहार सरकार गिर जाएगी और फिर उन्हे मंत्री पद से नवाजा जाएगा। इस बारे में भाजपा ने एक आडियों क्लिप भी जारी किया है और मांग की है कि लालू यादव को रिम्स निदेशक के बंगले से हटाकर तत्काल जेल भेजा जाए। भाजपा का यह आरोप किताबन सही है वह तो जांच के बाद पता चलेगा लेकिन लालू यादव जेल के बदले सरकारी बंगले में रह कर जो सियासी खेल खेल रहे है वह सर्वविदित है, उन्हे उक्त सरकारी बंगले से हटया जाना चाहिए।

विचार

अनिश्चय का मारा मंच

इस अनिश्चय के पीछे काफी बड़ी भूमिका अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के असहयोग की भी है जो अपने पूरे कार्यकाल के दौरान तमाम अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं के प्रति असम्मान प्रदर्शित करते रहे हैं। रिववार को संपन्न हुई जी-20 देशों की दो दिवसीय वचुअल शिखर बैठक में कोविड-19 महामारी का मुद्दा खया रहा, जो स्वाभाविक है। जो बात स्वाभाविक नहीं कही जा सकती वह यह कि इसी महामारी से पैदा हो रहे वैश्विक मंदी के हालात को लेकर विश्व अर्थव्यवस्था के इस सबसे महत्वपूर्ण मंच पर अपेक्षित चर्चा नहीं हो पाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना के बाद की दुनिया को ध्यान में रखते हुए नया ग्लोबल इंडेक्स बनाने का आह्वान किया जिसमें विस्तृत टैलेंट पूल बनाने, समाज के हर तबके तक टेक्नॉलजी की पहुंच सुनिश्चित करने, शासन में पारदर्शिता लाने और धरती मां के साथ स्वामित्व के बजाय ट्रस्टीशिप का संबंध विकसित करने पर जोर हो।

दीर्घकालिक नजरिये से उनके इन सुझावों की अहमियत से शायद ही कोई इनकार करे, लेकिन स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर जिन भीषण चुनौतियों से दुनिया जूझ रही है, उन पर जी-20 देशों की तरफसे कोई ठोस पहल सामने न आना न केवल आश्चर्यजनक और काफी हद तक निराशाजनक है बल्कि इसको इस प्रभावी वैश्विक मंच की एक नाकामी के ही रूप में दर्ज किया जाएगा। जी-7 भले ही दुनिया के सबसे अमीर और साधनसंपन्न देशों का समूह हो, पर उसका रैंज इस मायने में बहुत कम है कि उसमें दिनोंदिन अधिक शक्तिशाली हो चली विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का कोई प्रतिनिधित्व नहीं हो पाता।

इसके बरक्स जी-20 में दुनिया के कुल उत्पादन के 85 फीसदी हिस्से को कवर करने वाले तमाम बड़ी और मध्यम अर्थव्यवस्थाओं वाले देश शामिल हैं। यही वजह है कि जब भी दुनिया किसी बड़ी चुनौती के रू-ब-रू होती है तो जी-20 से यह उम्मीद की जाती है कि वह कोई एकीकृत रणनीति लेकर सामने आएगा। 2009 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान इस मंच ने यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई थी। इस बार तो दुनिया महामारी और आर्थिक संकट की दोहरी चुनौती से गुजर रही है। कोरोना के चलते पूरी दुनिया में 14 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष कह चुका है कि इस साल वैश्विक अर्थव्यवस्था में 4.4 फीसदी की गिरावट आने वाली है। विश्व बैंक ने आगाह किया है कि कोरोना महामारी के चलते 10 करोड़ लोग भीषण गरीबी में धकेले जा सकते हैं। बावजूद इसके, जी-20 के देश सहयोग और सामंजस्य की सामान्य अवीतों से अगे नहीं बढ़ सके। हालांकि इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह जी-20 के सामूहिक विवेक पर नहीं डाली जा सकती। इस अनिश्चय के पीछे काफी बड़ी भूमिका अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के असहयोग की भी है जो अपने पूरे कार्यकाल के दौरान तमाम अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं के प्रति असम्मान प्रदर्शित करते रहे हैं। जी-20 की बैठक के दौरान भी इसके कुछ कार्यक्रमों में हिस्सेदारी करने के बजाय गोल्फखेलते हुए अपना समय बिताना उन्हें ज्यादा जरूरी लगा।

पाठकों की बात

मेरा भिलाई तेरा

मेरा भिलाई तेरा भिलाई हम सबका प्यारा भिलाई जन जन का दुलारा भिलाई प्रदेश का सितारा भिलाई मेरा भिलाई हर किसी को रास आता जो भी आता यही का हो जाता शांति का प्रतीक कहलाता एकता की कहानी कह जाता संयंत्र जिसकी है शान है शिक्षाधानी जिसका नाम है 36गढ़ के सभी जिले में प्रमुख मेरा शहर दुर्ग-भिलाई । - **शत्रुंजय तिवारी**

वह बुद्ध हो चला

वह बुद्ध हो चला आसानी से कह चलो छोड़ दुनियाँ की रीत कर रीता मन किसी का..! व्यर्थ की बाध्‍यता व्यर्थ की सुध्‍यता चल पड़ा निर्वाण पर अस्‍त कर मुस्‍कान किसी की..! उम्‍दीों का ताना बाना मद्‍यम क्षा‍श का आना जाना लुम्‍बिनी के वट तलेचल प्रतीक्षा अर रद्‍ करे! निर्वाण हो या सन्‍यास मरती नही आस की प्‍यास।

- **सुरेखा अग्रवाल**

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ख़ास प्‍ताी

दर्द है पर चेहरे पर मुस्कान

दर्द है पर चेहरे पर मुस्कान लाया हूँ , दिल में जाने कितने अस्मान लाया हूँ ! तुम सितारा बन कर रौशनी तो बिखरों, मैं अपने साथ पूरा आसमान लाया हूँ ! रश्क और नफ़रत की आँधियों के बीच , हवाओं में मोहब्बत का पैग़ाम लाया हूँ ! आप देना चाहे न देना यह आपकी मर्जी , मैं दिल में सबके लिए समान लाया हूँ ! चलो कम करने जमाने के रंजो ग़म को , मैं सबकी बेह्तरी का परमान लाया हूँ ! हिसाब पुख़्ता है ये आप भी देख लीजिए , जो कुछ बचा है वो सारा समान लाया हूँ ! मैं हर ओर पसरी हुई बुरी दुर्गंध के बीच , ख़ुशबुओं से भरी इत्र की दुकान लाया हूँ। - **राज वुस्री शर्मा**

पू्ण के गीत गाते रहे इसलिये

पू्ण के गीत गाते रहे इसलिये जो बसंती नए गीत -गुंजन दिये !छू लिए थे अधर ,बज उठी बांसुरी कल्पना के नए गीत-मधुबन दिये भ्रमिन के पंख को झील देईं कई द्वांर मन के सजाई रंगोली नई ,स्वर्गों में पू्ण-मकरंद घोला कोई -भावना के मधुर भाव-वन्दन दिये पू्ण के गीत पतझड़ों में कि देखा कली खिल उठीं ,घाटियों में गगन से जर्मी मिल उठीं प्रीति की गंध सोंधी... बही छन्द से प्यार के ये नए गीत-गुलशन दिये उस तरुण राह में एक तुम मिल गये गीत को ठहरे-ठहरे से पल मिल गये नेह झरनों से गुन -गुन नई सी उठी चांदनी ने झरनों को चुम्बन दिये। - **अजय कुमार सिंह भदौरिया**

कितनी निश्चल, सात्त्विकता की मूर्ति

कितनी निश्चल, सात्त्विकता की मूर्ति लगती हो, जैसे श्री कृष्ण की कामधेनु सी लगती हो, देवत्व और प्राकृतिक कृपा की महिमा है तुम्हारे में, मेरी बछिया तुम कितनी निर्मल और सुन्दर लगती हो। - **संगीता राठी**



डॉ. श्रीनाथ सहाय

राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और हिमाचल के कई जिलों में रात्रि कर्फ्यू शुरू हो चुका है। बहरहाल, अब देश में मले ही संक्रमण में तेजी आई है लेकिन इसको लेकर पहले जैसा खौफ नहीं है। देश की बड़ी आबादी कोलेरा को लेकर गंभीर हुई है लेकिन लापरवाही बरतने वालों का प्रतिशत भी कम नहीं है। यही वजह है कि मुख्यमंत्रियों की बैठक में आरटी-पीसीआर टेस्टिंग पर जोर दिया गया। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच अच्छी खबर आई है। अगले दो से तीन महीनों में देश को असरदार वैक्सीन मिल सकती है। केंद्र सरकार ने वैक्सीनेशन की प्रक्रिया पर फोकस करना शुरू कर दिया है। सरकार ने मंगलवार को सभी राज्यों को इसके लिए पत्र भेजा है। पिछाल यह न भूलें कि जितनी की राहें सामान्य नहीं हुई हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कोरोना वायरस यादव हमारे बीच बना रहे और इसे कंट्रोल में लाने के लिए काफी बड़े प्रयास करने पड़ेंगे।



डॉ. वेदप्रताप वैदिक

लव जिहाद के ये मामले किनके बीच हो रहे हैं ? ये प्राय: मुसलमान लड़कों और हिंदू लड़कियों के बीच हो रहे हैं। लेकिन ‘लव जिहाद’ शब्द चला है, केरल से। पिछले 10-11 वर्षों में केरल और कर्नाटक के पाटरी शिकायत करते रहे कि लगभग 4000 ईसाई लड़कियों को जबरन मुसलमान बनाया गया है। उन्हें डरा-धमकाकर, लालच देकर या झूठ बोलकर उनका धर्म-परिवर्तन करा दिया गया है। जो काम अंग्रेज के जमाने में ब्रिटेशी पाटरी लोग मूठों पर ताव देकर करते थे, वही आरोप उन्होंने इस्लामी मुस्लिम-नौलवियों पर लगा दिया।

अभी बरकरार है कोरोना का खतरा

देश के कोरोना के केस धीरे-धीरे बढ़तेरी की ओर हैं। विशेषज्ञों की माने तो ये कोरोना प्रकोप की दूसरी लहर है। कोरोना संकट की नयी लहर से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में संक्रमण से बचाव के लिये वैक्सीनेशन कार्यक्रम में राज्यों की बड़ी भूमिका को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगर रणनीति बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों को बेहतर वैक्सीन देने के प्रयास हैं। वैक्सीन की पूरी तैयारी है। भारत की वैक्सीन भी उम्मीदों पर खरी उतरेंगी। ‘बचाव जरूरी’ के नारे के साथ प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने कोविड के संक्रमण का मुकाबला बेहतर ढंग से किया है, जिसके चलते दुनिया में हमारे देश में ठीक होने वाले लोगों का प्रतिशत ज्यादा है और मृत्यु दर कम है। उन्होंने चेताया कि लापरवाही नहीं होनी चाहिए ताकि यह न कहना पड़े कि हमारी कस्ती वहां डूबी जहां पानी कम था। मुख्यमंत्रियों की बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि वैक्सीन की सुरक्षित आपूर्ति के लिये कोल्ड स्टोरेज क्षमता को यथाशीघ्र बढ़ाया जाये। कुल मिलाकर यह कार्यक्रम राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के साथ चलाने की जरूरत है। जिसे सुनियोजित ढंग से चलाया जाये तथा ?इसमें केंद्र व राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो। साथ?ही नागरिकों को भी इसके लिये जागरूक करने की जरूरत है।?वास्तव में महामारी के बीच आर्थिकी को संबल देने के लिए ही अनलॉक के दरवाजे खुलते गए, लेकिन ल्योहारी, सामाजिक, व्यापारिक, व्यापारिक, राजनीतिक व आर्थिक हसरतों ने फिर खतरे मोल ले लिए।

विशेषज्ञों के मुताबिक अभी तो सर्दियों की ढंड शुरू हुई है। देश में कई स्थानों पर तापमान एक डिग्री सेल्सियस से भी कम हो गया है। राजधानी दिल्ली का न्यूनतम तापमान 6-7 डिग्री के बीच झूल रहा है। यानी कोरोना वायरस का एक बेहद अनुकूल मौसम बन

गया है। कोरोना को ‘कोल्ड वायरस’ भी कहा जाता है, क्योंकि यह कंपकपाती सर्दी में भी जिंदा रहता है और खूब तेजी से फैलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन इसे कोरोना वायरस की दूसरी या तीसरी लहर कुछ भी माने, लेकिन यह एक घातक लहर है, जिसे भारत झेल रहा है। इसने तमाम अनुमानों और आकलनों को गलत साबित कर दिया है,



क्योंकि भारत के 18 राज्यों में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। महाराष्ट्र, केरल, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, उप्र, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश-इन 10 राज्यों में ही देश के करीब 77 फीसदी सक्रिय मरीज हैं। हररोज औसतन 500 मौतें हो रही हैं। देश में मौतों का 21 फीसदी दिल्ली में ही है।

दिवाली के बाद 751 कोरोना मरीजों की मौत सिर्फ दिल्ली में ही हुई है। देश भर में बीते एक सप्ताह के दौरान 3588 मौतें दर्ज की गई हैं। कुल मौतें 1.34 लाख का आंकड़ा पार कर चुकी हैं। ये तमाम सामान्य आंकड़े नहीं हैं। देश में अब तक कोरोना संक्रमण के 92.21 लाख केस आ चुके हैं। 86.41 लाख मरीज ठीक हो चुके हैं। 1.34 लाख संक्रमितों की मौत हो चुकी है और 4.43 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है। यानी

प्राकृतिक कारण है, लेकिन प्रदूषण और ल्योहारी मौसम में बाजारों में भीड़, मास्क और दो गज की दूरी, यानी एहतियात को हाशिए पर रख कर संक्रमण के जहरीले बीज हमने खुरद ही बोये हैं।

कोरोना वायरस से बचाव के लिये वैक्सीन का निर्माण भी अंतिम दौर में बताया जा रहा है। ऐसे में सवाल है कि टीका लगा तो उससे मरीज के लक्षण रूकेंगे, खत्म होंगे या उससे वायरस का फैलाव रूकेगा? बुजुर्ग लोगों के शरीर का प्रतिरोधक, इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है, तभी ऐसे शरीर में प्यू वैक्सीन का कम असर होता है। उस नाते फाइजर?व्हाय?एनटेक और ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के वैक्सीन के बुजुर्गों पर असरदार होने की खबर सुकूनदायी है लेकिन क्या ऐसा दूसरे वैक्सीन, प्रोटीन आधारित वैक्सीन से भी होगा? वैक्सीन की रिसर्च में कई तरीके आजामाए जा रहे हैं। उन सबसे अलग-अलग आयु वर्ग में अलग-अलग असर की गुत्थी बननी है जिस पर वैश्विक एक राय आसान काम नहीं है। हिसाब से यह सब विश्व स्वास्थ्य संगठन की देखरेख में होना चाहिए या लेकिन इस महिने तीन वैक्सीन या रूस-चीन की वैक्सीन को ले कर जितनी खबरे बनी क्या किसी में डब्ल्यूएचओ का रोल दिखलाई दिया?

इन सबके बीच महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए आज से नए नियम लागू होने जा रहे हैं। राज्य में दिल्ली, एनसीआर, राजस्थान, गुजरात और गोवा से आने वाले लोगों को बिना कोरोना निगेटिव रिपोर्ट के भी देश में एंट्री नहीं मिलेगी। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि जब तक वैक्सीन नहीं मिलती तब तक दिल्ली में स्कूल खुलना मुश्किल है। सिसोदिया ने एक इंटरव्यू में कहा, ‘दिल्ली में इस वक्त कोरोना की तीसरी लहर चल रही है और यह सबसे खतरनाक है।’ हरियाणा में भी स्कूल खुलने के बाद बंद करने पड़ें हैं।

लव जिहाद पर कानून असंवैधानिक हो सकता है

जहां ‘लव’ है, वहां ‘जिहाद’ कैसा ? जिहाद तो दो तरह का होता है। जिहादे-अकबर और जिहादे-अशरफ ! पहला, बड़ा जिहाद, जो अपने काम, कोष, मद, लोभ मोह के खिलाफ ईमान खुद लड़ता है और दूसरा छोटा जिहाद, जो लोग हमलावरों के खिलाफ लड़ते हैं। जहां प्रेम है, वहां जिहाद का क्या काम ? प्रेम के पैदा होते ही सारे जिहादों का याने युद्ध का अंत हो जाता है। लेकिन फिर भी भारत में यह शब्द चल पड़ा है- लव जिहाद याने प्रेमयुद्ध।

इस लव जिहाद के खिलाफ भाजपा की लगभग सभी प्रांतीय सरकारों ने जिहाद छेड़ देने की घोषणा कर दी है। वे ऐसा कानून बनाने की कोशिश कर रही हैं, जिसके तहत उन सब लोगों को कम से कम पांच साल की सजा और जुर्माना भुगतना पड़ेगा, जो किसी हिंदू लड़की को मुसलमान बनाने के लिए उससे शादी का नाटक रचाते हैं। ऐसी शादियां बलात्कार, लालच, भय और बहकावे के जरिए होती हैं। यह भी कहा जा रहा है कि इन शादियों का आयोजन विदेशी पैसे के बल पर योजनाबद्ध षडयंत्र के तहत होता है। यदि सचमुच ऐसा हो रहा है तो यह अनैतिक तो है ही, यह राष्ट्रवैरोधी काम भी है। इसके विरुद्ध जितनी सख्ती की जाए, उतनी कम है लेकिन इधर कानपुर से आई एक ताजा सरकारी जांच रपट के मुताबिक ऐसा एक भी मामला सामने नहीं आया है, जहां धर्म-परिवर्तन के लिए विदेशी पैसा इस्तेमाल हुआ है या कोई योजनाबद्ध षडयंत्र किया गया है। सरकार के विशेष जांच दल (सिट) ? ने ऐसे 14 मामलों की जांच-पड़ताल के बाद यह निष्कर्ष निकाला है। 11 मामलों में उसे शादी के पहले बलात्कार के मामले जरूर मिले हैं। इस आरोप की जांच-पड़ताल सरकारी एजेंसियों ने जमकर की लेकिन उन्हें हर मामले में ऐसे प्रमाण नहीं मिले कि उन अन्तर्धार्मिक शादियों में लालच, डर या बहकावे का इस्तेमाल किया गया है। हां, कुछ इस्लामी संगठनों

के ऐसे प्रमाण जरूर मिले हैं, जो बाकायदा धर्म-परिवर्तन (ताय्यूर) की मुहीम चलाए हुए हैं। लेकिन यदि यहूदी और पारसियों को छोड़ दें तो ऐसा कौनसा मजहब है, जिसके लोग



अपना संख्या-बल बढ़ाने की कोशिश नहीं करते ? इसका बड़ा कारण स्पष्ट है। वे यह मानते हैं कि ईश्वर, अल्लह, गॉड या यहीवा को प्राप्त करने का उनका मार्ग ही सर्वश्रेष्ठ और एकमात्र मार्ग है। और फिर संख्या-बल राजनीतिक वजन भी बढ़ाता है। सिर्फ हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा है, जो यह मानता है कि ‘एक’ सदविषा बहुधा वदन्ति’ याने सत्य तो एक ही है लेकिन विद्वान उसे कई रूप में जानते हैं। इसीलिए भारत के हिंदू, जैन, बौद्ध या सिख लोगों ने धर्म-परिवर्तन के लिए कभी तीर, तलवार, तोप और त्रिजोरी का सहारा नहीं लिया। ईसा मसीह और पैगंबर मुहम्मद का ज़माना कुछ और था और अदभुत क्रांतिकारी था लेकिन उसके बाद का ईसाइयत और इस्लाम का धर्मांतरण का इतिहास काफी शोचनीय रहा है। यूरोप में लगभग एक हजार साल के इतिहास को अंधकार-युग के नाम से जाना जाता है और यदि आम भारत, अफ़्ग़ानिस्तान, ईरान और मध्य एशिया के मध्यगीन इतिहास को पढ़ें तो आपको पता चलेगा कि यदि आप सूफ़ियों को छोड़

दें तो इस्लाम जिन कारणों से भारत में फैला है, उनका इस्लाम के सिद्धांतों से कुछ लेना-देना नहीं है। भारत में ईसाइयत और अंग्रेजों की गुलामी एक ही सिक्के के दो पहलू रहे हैं। इसका तोड़ आर्य समाज ने निकाला था। ‘शुद्ध आंदोलन’ लेकिन वह भी अधर में लटक गया, क्योंकि मजहब पर जात भारी पड़ गई। ‘घर वापसी’ का भी वही हाल है। मजहब और जाति, आज की राजनीति के सबसे मजबूत हथियार बन गए हैं। लेकिन जहां सच्चा प्रेम हो, वहां मजहब, जात, पैसा, हैसियत वगैरह के तत्व अपने आप दरी के नीचे सरक जाते हैं। दुनिया में प्रेम से बड़ा कोई मजहब नहीं है। मैं तो यह मानता हूं कि यदि कोई भी कानून इस सच्चे प्रेम में अंडगा लगाता है तो वह अनैतिक है। ऐसा कोई भी कानून असंवैधानिक घोषित हो जाएगा, जो हिंदू और मुसलमानों पर एक-जैसा लागू नहीं होगा। कोई कानून ऐसा बने कि हिंदू लड़की मुसलमान लड़कें से शादी न कर सके और इसके विपरीत मुसलमान लड़की हिंदू लड़के से शादी कर सके तो वह कानून अपने आप रह हो जाएगा। अमेरिका में 1960 तक गोरों और कालों के बीच शादी पर ऐसा कानून लागू होता था लेकिन वह रह हो गया।

हमें ऐसे सबल भाव का निर्माण करना है, जिसमें अन्तर्जातीय और अन्तर्धार्मिक परिवार पूर्ण समन्वय में रहते हों। भूरे स्वर्ण पिछले 50-55 वर्षों में अमेरिका, रूस, चीन, फ़्रांस, ब्रिटेन, मोरिशस, अफ़्ग़ानिस्तान आदि देशों में ऐसे परिवारों के साथ रहने का मौका मिला है कि जिनमें हिंदू पति अपनी मुसलमान पत्नी के साथ रोज़ा रखता है और मुस्लिम पत्नी मग़न होकर कृष्ण-भजन गाती है, हिंदू पति गिरजे में जाता है और उसकी अमेरिकी गौरी पत्नी मंदिर में आरती उतारती है। यदि आपके दिल में सच्चा प्रेम है तो सारे भेदभाव हवा हो जाते हैं। मंदिर, मस्जिद, गिरजे की दीवारें गिर जाती हैं और आप उस सर्वशक्तिमान को स्वतः उपलब्ध हो जाते हैं।

QUIZ TIME

- महाभारत में बस्तर के अरण्य क्षेत्र को क्या कहा जाता है? (कोसल / कात्याार)
- बस्तर के कोरापुट क्षेत्र के जल-नाग वंश का संस्थापक कौन है?
- भूमकाल विद्रोह के सूत्रधार कालेन्द्र सिंह कौन थे? (बस्तर राज्य के दीवान / सुकमा के जमींदार)
- वेद सिरिस, गामस कोसलिया तथा महाराजा महेन्द्रस्थ नाम के मुद्रांक किस उत्खनन से प्राप्त हुए है?
- छत्तीसगढ़ के मंगल पाण्डे कहे जाने वाले दा. हनुमान सिंह किस रेजीमेंट में मैगजीन लश्कर के पद पर थे?

राष्ट्रपति राष्ट्र पदार्थ (५) लालकृष्ण साहू
(४) लालू कृ पन्त राय (६) कटिहू (७) रामनाक (१) -लालप्रसाद

आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1527– पोप क्लीमेंस सातवें ने सम्राट कैरल प्रथम के साथ समझौता किया। 1688– फ़्रांस के राजा लुईस चौदहवें ने नीदरलैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1703– तूफ़न में ब्रिटिश नौसेना के 1500 नौसैनिक मरे। 1754– प्रसिद्ध जर्मन लेखक जॉर्ज फॉर्स्टर का जन्म। 1885– पहली बार उल्कापिंड की तस्वीर ली गयी। 1932– महान क्रिकेटर डॉन ब्रैडमैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 10

हजार रन पूरे किये। 1948– नेशनल कैडेट कोर की स्थापना। 1949– आजाद भारत के संविधान पर संविधान सभा के अध्यक्ष ने हस्ताक्षर किये। 1960– देश में पहली बार कानपुर एवं लखनऊ के बीच एसटीडी सेवा शुरु। 2008– मुंबई में हुए आतंकी हमले में 164 लोग मरे। 2012– अरविंद केजरीवाल ने ‘ आम आदमी पार्टी’ का गठन किया। 2014 – प्रसिद्ध इतिहासकार तपन राय चौधरी का निधन।

योग निद्रा से जागे भगवान विष्णु, घर-घर हुआ तुलसी-शालिगराम विवाह

जबलपुर। (नव प्रदेश)
देव उठनी एकादशी पर बुधवार को 'बेर-भाजी आंवला, उठो देव सांवला' की गूंज के साथ जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु योगनिद्रा से उठ गए। योगनिद्रा से भगवान को जगाने तथा उनकी पूजन-आराधना करने के लिए बुधवार को घर-घर में पूजा-पाठ हुआ। शाम को शुभ मुहूर्त में भगवान को जागृत कर पूजन किया गया एवं तुलसी-शालिगराम का विवाह हुआ। इसके साथ ही बुधवार से शादी-विवाह सहित अन्य सभी प्रकार के शुभ कार्य भी प्रारंभ हो गए। ज्योतिषाचार्यों ने बताया कि कई सालों बाद देव उठनी



फोटो-मनोज एंथोनी

एकादशी पर सिद्धि, महालक्ष्मी और रवियोग बना , जो कई प्रकार से शुभ फल को देने वाले हैं। धार्मिक

शुरू हो गए वैवाहिक कार्य, यज्ञोपवीत संस्कार जैसे अन्य शुभ कार्य

भगवान विष्णु योग निद्रा में सो जाते हैं। इसके बाद देव प्रबोधिनी यानी कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष एकादशी को क्षीरसागर में चार महीने की योगनिद्रा के बाद

भगवान विष्णु देवउठनी एकादशी के दिन उठते हैं, लेकिन इस बार अधिकमास होने से पांच माह बाद भगवान योगनिद्रा से जागे।

मकरवाहिनी की महाआरती
देव उठनी एकादशी पर मां मकरवाहिनी मंदिर पान दरबा में महाआरती की गई। परंपरा अनुसार शाम को 7 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ माता का पूजन हुआ और महाआरती की गई। इसके पूर्व बुधवार सुबह से मां मकरवाहिनी मंदिर में पूजन पाठ का क्रम शुरू हो चुका था। सुबह माता का अभिषेक किया गया और उसके बाद विधेय श्रंगार किया गया। मंदिर को भी फूलों से सजाया गया। मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं मकरागण सुबह से माता के दर्शन, पूजन एवं व्यवस्थाओं को संभालते रहे।

बाजार में उमड़ी भीड़
देव उठनी एकादशी पर पूजन सामग्री के साथ गन्ना, फूल, मिठाई आदि की खरीदारी करने के लिए बुधवार सुबह से बाजारों में भीड़ उमड़ी। सबसे ज्यादा बिस्त्री गन्ना एवं फलों की दुकानों से भी लोग अलग-अलग प्रकार के फल एवं मिष्ठान खरीदते उमड़े। जिनका भोग भगवान को लगाया गया।

तुलसी विवाह का आयोजन

नरसिंह मंदिर शास्त्री ब्रिज में बुधवार को मां तुलसी एवं शालिगराम भगवान के विवाह का आयोजन किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम जगद्गुरु डॉ.स्वामी श्यामदेवाचार्य महाराज के सान्निध्य तथा डॉ.स्वामी नरसिंहदास महाराज के संयोजन में किए गए। इसके साथ ही अन्य स्थानों पर भी तुलसी-शालिगराम भगवान के विवाह का पूजन-अर्चन हुआ। सभी आयोजन कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए संपन्न हुए।

आज से रिपेयर होगा मेन राइजिंग लाइन का लीकेज, आधा शहर रहेगा प्यासा

जबलपुर। (नव प्रदेश)
दीवाली के पूर्व पीएनटी के पास रमनगरा वाटर फिल्टर प्लांट की लीक हुई मेनराइजिंग लाइन में आज से सुधार कार्य किया जाएगा। जिसके चलते आज शाम और कल सुबह आधे शहर में जलापूर्ति बाधित रहेगी। कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि दीपावली के पहले ही पीएनटी, चेताराम की मढ़िया के पास मेनराइजिंग लाइन में लीकेज हो गया था, लेकिन लोगों की सहूलियत को ध्यान में रखकर उस वक्त शट डाउन नहीं लिया गया। बुधवार को ग्यारस का त्योहार भी निपटने के बाद आज से सुधार कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही आगाचौक में एक बॉल्व बदला जाना है। उन्होंने बताया कि सुधार कार्य के चलते बिड़ला धर्मशाला, मेडिकल, त्रिपुरी, गुलौआ, राईट टाउन, रामेश्वरम, मनमोहन नगर, लक्ष्मीपुर, कोतवाली, मोतीनाला, आनंद नगर, लेमागार्डन, सर्वोदय नगर, मंदर टैंरसा, बेदी नगर, मिल्क स्कीम, किलकारी गार्डन, गोहलपुर, हाथीताल, भंवरताल, श्रीनाथ की तलेया, टाउन हॉल, बादशाह मंदिर, गुप्तेश्वर, पीएसएम एवं फूटबाल टर्की से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। उक्त दोनों कार्यों के चलते नागरिकों को होने वाली असुविधा के



चलते प्रशासक बी चंद्रशेखर और निगमायुक्त अनूप कुमार सिंह ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में टेंकरों के माध्यम से पानी की सप्लाई की जाएगी।

672 व्यक्तियों से वसूला गया जुर्माना

जबलपुर। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देशानुसार कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे रोको-टोको अभियान के तहत आज 672 व्यक्तियों से 86 हजार 540 रुपए का जुर्माना वसूला गया है। इसमें पुलिस द्वारा 532 व्यक्तियों से 54 हजार 400 रुपये, नगर निगम द्वारा 34 व्यक्तियों से 8 हजार 440 रुपये, एसडीएम जबलपुर द्वारा 8 व्यक्तियों से 800 रुपये, एसडीएम मोरखपुर द्वारा 9 व्यक्तियों से 1 हजार 500 रुपये, एसडीएम आधारताल द्वारा 20 व्यक्तियों से 2 हजार रुपये, एसडीएम सिहोरा द्वारा 7 व्यक्तियों से 700 रुपये, एसडीएम रांझी द्वारा 34 व्यक्ति से 15 हजार 300 रुपये, एसडीएम पाटन द्वारा 4 व्यक्तियों 900 रुपये, एसडीएम थरपुरा द्वारा 5 व्यक्तियों से 500 रुपये, एसडीएम कुंडन द्वारा 2 व्यक्तियों वसूला गया जुर्माना शामिल है।



जबलपुर। गौर जमतारा के पास खिरहनीघाट में दो हाथियों के आ जाने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। हाथियों के देखे जाने के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी जिसके बाद मौके पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों ने हाथियों को दृढ़ने का काम शुरू किया हालांकि जैसे ही हाथी नजर आए तो वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी और गांव के लोग डर के मारे टॉवर पर चढ़ गए हाथी देखे जाने के बाद वन विभाग ने ग्रामीणों को एहतियात बरतने की सलाह दी है वहीं यह पता लगाया जा रहा है कि हाथी कहाँ से आए हैं।

तानाशाही मंडल परिचालन विभाग की तानाशाही के चलते महसूस कर रहे अपमान

गार्ड और पायलटों को कर रहे प्रताड़ित

जबलपुर। (नव प्रदेश)
मंडल रेल जबलपुर में यात्री ट्रेनों के गार्ड और पायलटों के ऊपर परिचालन विभाग की तानाशाही थमने का नाम नहीं ले रही है। लंबे समय से अधिकारी उनसे मालगाड़ी चलावा रहे है जो कि नियम विरुद्ध है। सुपरफास्ट और मेल एक्सप्रेस चलाने वाले गार्ड/पायलट मालगाड़ी चलाने से खुद को अपमानित महसूस कर रहे है। जानकारी के मुताबिक लॉक डाउन के बाद से ट्रेनों के पहिये पूरी तरह जाम रहे। जून माह से कुछ ट्रेनों के शुरू होने पर जबलपुर मंडल के कुछ गाडर और पायलटों से मंडल



प्रशासन यात्री ट्रेनों और कई से मालगाड़ी चलावा रहा है। जबकि मालगाड़ी के पायलटों और गाडेरका ग्रेड पे मेल एक्सप्रेस वालो से नीचे होता है। देखा जाये तो जून माह के बाद से लगातार ट्रेनों की संख्या में वृद्धि हो रही है। ऐसे में मेल एक्सप्रेस

ग्रेड के पायलट और गाडर से मालगाड़ी चलवाने से आत्मसम्मान

इनका कहना
ऊक्त संबंध में वेस्ट सेंट्रल रेल मजदूर संघ के महासचिव अशोक शमाज का कहना है कि गुड्स गाडर के रिक्त पदों को भरने के लिए जीएम से पत्र व्यवहार किया उसके बाद मंडल ने अब तक पदों को नहीं भरा। वहीं प्रवक्ता सतीश कुमार का कहना है कि जल्द ही उठा आंदोलन किया जाएगा।

पार्किंग ही होनी थी तो फुटपाथ के नाम पर करोड़ों क्यों फूंक दिए?

जबलपुर। (नव प्रदेश)
फुटपाथ बनाने के लिए जबलपुर शहर में करोड़ों रुपए खर्च किए गए। फुटपाथ निर्माण के दौरान कहा गया था कि लोगों को पैदल चलने के लिए व्यवस्थित मार्ग मिलेगा। सड़क किनारे कचरे का ढेर नहीं लगेगा, लेकिन सभी जगहों के फुटपाथ में कहीं दुकान लग रही हैं तो किसी स्पोर्ट में वाहनों की पार्किंग की जारही है। इतना ही नहीं कई इलाकों में फुटपाथ धूल से अंद हैं।

मालगोदाम में फुटपाथ पर कब्जा— मालगोदाम से लेकर इंदिरा मार्केट के बीच सड़क के दोनों ओर स्ट्रीट वेडरों ने कब्जा जमा रहा है।



विजय नगर से यादव कॉलोनी मार्ग में पार्किंग

विजय नगर से यादव कॉलोनी मार्ग पर सड़क के बायीं ओर बने फुटपाथ में श्रेयोजन रोजाना वाहनों की पार्किंग कर देते हैं। लोगों के पैदल चलने के लिए जगह नहीं रहती है।

ओमती में सर्विस सेंटर

ओमती में कलेक्ट्रेट से घंटाघर के बीच सड़क की एक ओर फुटपाथ को दोपहिया वाहन सुधारने वाले मैकेनिकों ने सर्विस सेंटर में तब्दील कर लिया है। रोजाना फुटपाथ पर उनका कब्जा जमा रहता है।

ब्योंहारबाग में लगी हैं दुकान

ब्योंहारबाग में वन विभाग के कार्यालय के छोर पर फुटपाथ में दुकान लगी हैं। लोगों को पैदल चलने के लिए जगह नहीं मिल पाती है।

यह है स्थिति
-17 करोड़ रुपए हुए खर्च
-36 किलोमीटर में हुआ निर्माण

शादी की तैयारी करें कि परमीशन लेने जाएं

जबलपुर। राज्य सरकार के दिशा-निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा जारी नई कोरोना गाइड लाइन ने उन परिवारों के होश उड़ा रखे हैं जिनके घर में शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्यक्रम होना है। एक तो विगत आठ महीने से चले आ रहे इस हौआ के चक्र में अनेक मांगलिक कार्यक्रम टाल दिए गए थे, उस पर अब नई गाइडलाइन आने पर प्रशासन से आयोजन के लिए परमीशन, कार्यक्रम में 200, बारात में 50 की लिमिट, कार्यक्रम स्थल और बारात में 50 मीटर की दूरी के हिसाब से स्थल मिलना मुसीबत बन गया है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने स्पष्ट आदेश दिया है कि आयोजनकर्ता-कैटरर्स आदि को समय रहते एसडीएम-तहसीलदार या थाने में आयोजन की जानकारी देना है। साथ में शादी का कार्ड देना है। इसके साथ ही कार्यक्रम होते ही 48 घंटे के भीतर वीडियो रिकॉर्डिंग या फुटेज आदि भी जिला प्रशासन को उपलब्ध कराना है। इस नई चिकित्सक से वे लोग सर्वाधिक परेशान हैं जिनके पास काम करने वालों की संख्या पहले ही कम है। ऐसे में शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्यक्रम में प्रशासकीय किलकिल से निपटना, इसके लिए एसडीएम-तहसीलदार या कलेक्टर कार्यालय या फिर थानेदार के चक्र काटना एक नई मुसीबत बन गया है।

टॉयलेट-20 अभियान का अवलोकन

जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के अंतर्गत चलाए जा रहे टॉयलेट-20 अभियान को गति प्रदान करने निगमायुक्त अनूप कुमार सिंह द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। निगमायुक्त अनूप कुमार सिंह ने बुधवार को सहायक आयुक्त एवं स्वच्छता सेल की नोडल अधिकारी सुश्री एकता अग्रवाल के साथ शहर के विभिन्न सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण करते हुए वहां की सफाई व्यवस्था का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त अनूप कुमार सिंह ने सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की सफाई पर जोर देते हुए कहा है कि अभियान को तृप्तिगत रखते हुए सफाई व्यवस्था में सुधार लाया जाना अति आवश्यक है एवं इस कार्य में लापरवाही करने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। निगमायुक्त अनूप कुमार सिंह ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के अंतर्गत शहर को प्रथम स्थान दिलाने नगर निगम कृत संकल्पित है एवं इस दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

कोरोना से बचने वितरित किए मास्क

जबलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग कटंगा में बुधवार को मास्क वितरण कार्यक्रम रखा गया। रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर वेस्ट की इस पहल की सराहना हुई। सदस्य न्यायाधीश योमेश अग्रवाल ने बताया कि जिला उपभोक्ता आयोग, कटंगा के प्रत्येक कर्मचारी व मौके पर उपस्थित अधिकारों को कोरोना से बचाव के लिए मास्क दिए गए। रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर वेस्ट के पदाधिकारियों ने जाग्रत करते हुए बताया कि जब तक वैक्सीन नहीं आ जाती, तब तक मास्क को ही वैक्सीन समझा जाना चाहिए। कोविड-19 के संक्रमण से बचाव की दृष्टि से मास्क अत्यंत कारगर है। यही नहीं अन्य तरह के संक्रमणों से भी मास्क सीधी सुरक्षा कवच बतौर करता है। इसीलिए मास्क लगाए बिना घर से निकलना समझदारी नहीं है। जो लोग मास्क नहीं लगाते उनको मास्क का उपहार देने से बेहतर शुभकामना इन दिनों कुछ नहीं हो सकती। न्यायालय अधीक्षक संतोष अग्रवाल ने बताया कि रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर वेस्ट के अध्यक्ष सुधीर हरिहर व सचिव मोहन यादव के अलावा रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर वेस्ट के पूर्व अध्यक्ष निर्मल सिंह परिहार का जिला उपभोक्ता आयोग, कटंगा के स्टाफ ने स्वागत किया। इस दौरान मास्क की महत्ता गंभीरता से प्रतिपादित हुई। उल्लेखनीय है कि ने सामाजिक सरोकारों की दिशा में पहल करते हुए मास्क की अनिवार्यता को लेकर जाग्रति प्रसारण की दिशा में अभिनव कार्य किया है। यह अभियान सतत है। इससे अन्य संगठन भी प्रेरित हो रहे हैं। जबलपुर में अभियान चर्चा का विषय बन चुका है। इससे प्रेरणा लेकर दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में एनजीओ सक्रिय हो गए हैं। कुछ एनजीओ मास्क भी बांटने लगे हैं। सिमरन सिंह ने बताया कि वे नमंदा परिक्रमा पर निकले बुजुर्गों को मास्क वितरित कर रहे हैं।

न्यूज गैलरी

शीतकालीन सत्र के लिए लगने लगा प्रश्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 21 दिसंबर से प्रारंभ होने जा रहा है। इस सत्र के लिए सत्ता और विपक्षी दल के विधायकों द्वारा अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र से लेकर जिला स्तर व प्रदेश स्तर पर जनता के हितों से जुड़े मुद्दों को उठाते हैं। इसके लिए विधायकों द्वारा सदन में उठाये जाने वाले मुद्दों को लेकर प्रश्न लगाते हैं, जिनके उत्तर सत्ता पक्ष के मंत्रियों द्वारा दिये जाते हैं। शीतकालीन सत्र के लिए अधिसूचना जारी होने के बाद विधायकों द्वारा प्रश्न लगाना शुरू कर दिए हैं। हालांकि अब तक कुल 26 प्रश्न ही लगाए गए हैं जिनमें 14 तारांकित एवं 12 अतारांकित हैं। ये प्रश्न 19, 23 व 24 नवंबर को लगाए गए हैं। सत्र के दिन जैसे-जैसे नजदीक आते जाएंगे प्रश्नों का आकड़ा बढ़ते जाएगा। संभावना जतायी जा रही है कि शीतकालीन सत्र में प्रश्नों का आकड़ा एक हजार तक पहुंच सकता है। इस बार शीतकालीन सत्र 7 दिनों के लिए बुलाया गया है जो क्रमशः 21 दिसंबर से प्रारंभ होकर 22, 23, 24 तथा 28, 29 व 30 दिसंबर तक चलेगा। 25 से 27 दिसंबर से अवकाश रहेगा।

स्वास्थ्य विभाग ने सुरेश होटल में भारी गंदगी मिलने पर 2000 रु. किया जुर्माना

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त सौरभ कुमार के आदेशानुसार जनशिकायत मिलने पर वस्तुस्थिति की जानकारी लेने नगर निगम की सहायक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही के नेतृत्व एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी चंद्रशेखर श्रीवास्तव, जोन स्वच्छता निरीक्षक श्री विरेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में नगर निगम जोन 4 के तहत आने वाले मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड क्रमांक 46 के जीई रोड स्थित लाल गंगा परिसर में सुरेश होटल का प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया। सहायक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पाणिग्रही द्वारा जोन 4 की स्वास्थ्य विभाग की टीम सहित किये गये प्रत्यक्ष अवलोकन के दौरान नगर निगम स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त जनशिकायत स्थल पर पूरी तहह सही मिली एवं सुरेश होटल के कर्मचारी बिना मास्क, ग्लब्स के काम करते पाये गये एवं वहां भारी गंदगी मिलने पर निगम की सहायक स्वास्थ्य अधिकारी ने संबंधित होटल संचालक को भविष्य के लिये कड़ी चेतावनी देते हुए 2000 रु.का जुर्माना किया एवं इस दौरान संबंधित होटल संचालक के पास गुमास्ता लाईसेंस अनपलब्ध पाया गया। होटल संचालक को नगर निगम जोन 4 स्वास्थ्य विभाग ने गुमास्ता लाईसेंस प्रस्तुत करने 3 दिन का समय उनके अनुरोध पर दिया।

तैनाती

खाद्य सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने किया धान खरीदी केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

बार्डर में कड़ी निगरानी की जरूरत : सिंह

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2020-21 में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी आगामी 01 दिसम्बर 2020 से किया जाना है। इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। खाद्य सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह आज महासमुंद्र जिले के कई धान उपार्जन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। खाद्य सचिव ने किसानों के धान उपार्जन के लिए किए जा रहे तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिले के ग्राम झालखम्हरिया, बावनकेरा, चौकबेड़ा एवं बड़गाँव तथा कृषि उपज मंडी बागबाहरा एवं धान उपार्जन केन्द्र चुवापाली का औचक निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा कि महासमुंद्र जिले के कई उपार्जन केन्द्र ओडिशा प्रांत से लगे होने के कारण कोचियों के माध्यम

फिलपकार्ट, अमेजन पर मिलने वाले हथियारों से अपराध, कंपनियों के अधिकारी तलब

रायपुर पुलिस ने पत्र सौंपकर बटन वाले चाकुओं की बिक्री रोकने को कहा

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। रायपुर पुलिस ने चाकुबाजी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। रायपुर पुलिस ने ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों-फ्लिपकार्ट तथा अमेजन को पत्र लिखकर कहा है कि वे बटन वाले छोटे तथा बड़े चाकुओं की ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगाने को कहा है। रायपुर के एडिशनल एसपी लखन पटेल ने दोनों कंपनियों के स्थानीय अधिकारियों को कार्यालय में तलब कर उन्हें सीधे यह पत्र सौंपा है। साथ ही यह स्पष्ट किया है कि यदि



आगे से चाकु की ऑनलाइन बिक्री इन कंपनियों से होते पाई गई तो इनके अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के

मुताबिक, बीते दिनों चाकुबाजी की घटनाओं में पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में यह पता चला है कि असामाजिक तत्वों को

गृहमंत्री साहू की बैठक के बाद एक्शन में पुलिस

बता दें कि तीन दिन पहले गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने प्रदेश में कानून व्यवस्था तथा अपराधों पर रोक लगाने ली गई समीक्षा बैठक में पुलिस अफसरों से कहा था कि पुलिस एक्शन में दिखे तथा गुंडे बदमाशों को विद्धित किया जाए, जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई है।

एडिशनल एसपी का यह है कहना

बाजार में बटन वाले चाकुओं की बिक्री पर रोक लगी हुई है। लेकिन ऐसे सूचना प्राप्त हुई कि फिलपकार्ट तथा अमेजन जैसी ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों से ये आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। नाबालिग भी इन्हें खरीद रहे हैं। छिटपुट मामलों में भी इनके इस्तेमाल से अनायास ही हत्या जैसी वारदातें हो रही हैं। इसको ध्यान में रखते हुए दोनों कंपनियों के स्थानीय अधिकारियों को तलब किया गया था। उनसे बटन वाले चाकुओं की बिक्री पर रोक लगाने को कहा गया है। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की बात कही गई है। इन अधिकारियों की ओर से अपने शीर्षस्थ अधिकारियों को पत्र लिखा जा रहा है। मेरी अमेजन के कोलकाता के उच्च अधिकारी से भी बात हुई है। साथ ही कंपनियों के स्थानीय अधिकारियों से प्रतिवेदन भी मंगाया गया है।

-लखन पटेल, एडिशनल एसपी, रायपुर शहर

पटेल के निधन पर तीन दिन पार्टी मुख्यालय में झुका रहेगा पार्टी का झंडा

इ सभी जिला मुख्यालयों और ब्लाक मुख्यालयों में दी जायेगी श्रद्धांजलि

नव-प्रदेश संवाददाता

रायपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल के निधन पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये अहमद पटेल की पार्टी के प्रति सेवाओं का आदरपूर्वक उल्लेख करते हुये कहा है कि तीन दिन पार्टी मुख्यालय में पार्टी का झंडा झुका रहेगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल ने लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी संगठन में विभिन्न पदों पर रहकर जनसेवा की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल का निधन कांग्रेस परिवार को अपूरणीय क्षति है। यह भी कामना करते हैं कि शोक संतप्त पटेल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्राप्त हो। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद



अखिल भारतीय कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अहमद पटेल के निधन पर प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय राजीव भवन में शोक सभा आयोजित की गयी। शोक सभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, राज्यसभा सांसद छाया वर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

पटेल के निधन पर कोषाध्यक्ष राममोपाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष गिरीश देवांगन, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, महामंत्री प्रसासन रवि घोष, प्रभारी महामंत्री संगठन चंद्रशेखर शुक्ला, राजेंद्र तिवारी सदस्य संचार विभाग, रमेश वर्मानी सदस्य, आर पी सिंह सदस्य, सुरेंद्र शर्मा सदस्य, सुशील आनंद शुक्ला सदस्य,

किरणमयी नायक सदस्य, विभोर सिंह सदस्य, रउफ कुरैशी सदस्य, विकास दुबे सदस्य, संदीप साहू सदस्य, नितिन भंसाली सदस्य, अमित श्रीवास्तव सदस्य, अमित यदु सदस्य, क्रांति बंजारे सदस्य, नीना रावतिया सदस्य, अधिवक्ता मोहन निषाद सदस्य ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गहरा दुख व्यक्त किया है।

इन्होंने भी दी श्रद्धांजलि

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल के निधन पर प्रदेश प्रवक्ता धनश्याम राजू तिवारी, धनंजय सिंह ठाकुर, मोहम्मद असलम, एडवोकेट सुरेंद्र वर्मा, एम.ए. इकबाल, वंदना राजपूत, आलोक दुबे जगदलपुर, अमरनारायण राय बिलासपुर, जनार्दन त्रिपाठी सरगुजा, कमलजीत पिट्ठ राजनांदगांव, कृष्णकुमार मरकाम धमतरी, स्वप्निल मिश्रा, प्रकाशमणि वैष्णव, अशुल मिश्रा ने शोक व्यक्त किया है। शोक सभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, राज्यसभा सांसद छाया वर्मा, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गिरीश देवांगन, प्रदेश उपाध्यक्ष गुरुमुख सिंह होरा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेन्द्र तिवारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश वर्मानी, प्रभारी महामंत्री संगठन चंद्रशेखर शुक्ला, संचार विभाग अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, संचार विभाग सदस्य ज्ञानेश शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता धनश्याम राजू

तिवारी, धनंजय सिंह ठाकुर, विकास तिवारी, मोहम्मद असलम, एम.ए. इकबाल, सुरेंद्र वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दौलत रोहड़ा, प्रदेश सचिव अजय साहू, सेवादल अध्यक्ष अरुण तावकार, पंकज शर्मा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे, पंकज मिश्रा, इंदरेश गांधी, दिलीप चौलन, सद्यन सोलंकी, राजेश सिंह ठाकुर, सैयद अफसर अली, इस्लाम कुरैशी, दिवाकर साहू, शेखर साहू, शीत श्रीवास, मतीन खान, सकलेन कामटार, जीतू भारती, नितिन ठाकुर, गुणेंद्र साहू, योगेश साहू, हुमन साहू, दाजलाल साहू, सिद्धार्थ सिंह चंदा, शबीर खान, योगेश साहू, शहनाज बेगम, कमलान अंसारी, मोहनजी कुर्रे, श्री जीनिवास, आशीष शमित शे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी ने जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ में तीन दिन पार्टी मुख्यालय में पार्टी का झंडा झुका रहेगा। सभी जिला मुख्यालयों और ब्लाक मुख्यालयों में दिवांगत नेता को शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी जायेगी।



सीएम बघेल सांसद बैज के गृह प्रवेश कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बुधवार राजधानी रायपुर के देवेन्द्र नगर की आफिसर्स कॉलोनी स्थित लोकसभा सांसद दीपक बैज के निवास पहुंचकर उनके गृह प्रवेश के कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री बघेल ने दीपक बैज से मुलाकात की और उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती फूलोदेवी नेताम, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री अमरजीत भगत, मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा और छत्तीसगढ़ पाटय पुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी उपस्थित थे।

रेल दुर्घटना से बचाव रायपुर मंडल एवं एनडीआरएफ कटक ने संयुक्त रूप से किया अभ्यास

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। रेल दुर्घटना से बचाव के लिए बुधवार को रायपुर रेल मंडल और एनडीआरएफ कटक ओडिशा की संयुक्त टीम द्वारा अभ्यास किया गया। रेल मंडल के अधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में आज सुबह 10 बजे भिलाई डिपार्चर यार्ड (देवभोग दूध फैक्ट्री फाटक के पास) रेल दुर्घटना से बचाव का संयुक्त अभ्यास एनडीआरएफ कटक उड़ीसा की टीम एवं रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग की टीम द्वारा किया गया।



इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक अन्य अधिकारी, एनडीआरएफ टीम के लोकेक्ष विश्वाेश सहित रायपुर रेल मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

भगवान बिरसा मुण्डा ने

सिंह, सांसद शहखोल श्रीमती हिमांशी सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थीं मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी में वीरगंगा दुर्गावती, भीमा नायक, रघुनाथ शाह, शंकर शाह, टट्टया भील जैसे महानायकों ने योगदान दिया। हम इन महानायकों के योगदान को कभी भुला नहीं सकेंगे।

मध्यप्रदेश में तब जिहाद

बाद गृह मंत्री ने कहा कि लव जिहाद के खिलाफ सख्त कानून बनाया जा रहा है। कानून में दोषियों को 10 साल की सजा का प्रावधान किया जाएगा। पहले यह सजा 5 साल प्रस्तावित की गई थी। मिश्रा ने बताया कि यदि मर्जों से धर्म बदलना हो तो 1 महीने पहले कलेक्टर को आवेदन देने का प्रावधान किया जा रहा है। बैठक में अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा सहित अन्य वरिष्ठ अफसर भी मौजूद रहे। बता दें कि विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा लव जिहाद के दोषियों को 10 साल सजा का प्रावधान कानून में करने की मांग कर चुके हैं

नहीं रहे कांग्रेस के...

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने पटेल के निधन पर दुख व्यक्त किया है। बघेल ने अहमद पटेल के परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

महंत, रमन, वोरा...

निधन का समाचार स्वक्ष करने वाला है। उन्होंने कहा कि वे मेरे अच्छे मित्र व सहयोगी साथी थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। रमन सिंह ने कहा कि पटेल का असमय जाना बेहद दुःखद है। परमात्मा उन्हें अपने श्रेष्ठियों में स्थान दे। वोरा ने पटेल के निधन पर वाहरी संवेदना प्रकट की है।

कोरोना पर केंद्र की...

निर्देशों के मुताबिक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां की परिस्थिति के आकलन के आधार पर कोविड-19 को रोकने के संदर्भ में स्थानीय प्रतिबंधों को लागू कर सकती है, जिसमें नाइट कर्फ्यू शामिल हैं। हालांकि, केंद्र सरकार के परामर्श के बिना कटेनमेंट जोन के अलावा स्थानीय क्षेत्रों में लॉकडाउन नहीं कर सकते हैं। स्थानीय जिला, पुलिस और नगर निगम के अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि निर्धारित रोकथाम उपायों का कड़ाई से पालन किया जाए।

डीबीएस बैंक में...

ताकि लागू मोरेटोरियम के कारण अपने धन की निकासी नहीं कर पाने की जमाकर्ताओं की परेशानी को कम किया जा सके। इस योजना के मंजूर हो जाने के बाद एलवीबी का एक उचित तिथि पर डीबीआईएल के साथ विलय हो जाएगा और तब जमाकर्ताओं पर अपना धन निकालने को लेकर किसी भी तरह की रोक नहीं रहेगी।

